यूक्रेन में भारत की भागीदारी

समयरेखा

रूस के साथ भारत के संबंध लंबे समय से हैं, लेकिन यूक्रेन के साथ इसके औपचारिक संबंध 1992 में शुरू हुए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन कुछ नेताओं में से एक हैं जिन्होंने युद्ध शुरू होने के बाद रूस और यूक्रेन दोनों का दौरा किया।

जनवरी 1992: भारत और यूक्रेन के बीच राजनयिक संपर्क स्थापित करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए।

मार्च 1992: यूक्रेन के राष्ट्रपति लियोनिद क्रावचुक ने भारत की पहली राजकीय यात्रा की।

मई 1992: कीव में भारतीय दूतावास की स्थापना की गई।

फरवरी 1993: नई दिल्ली में यूक्रेन का दूतावास स्थापित किया गया।

जुलाई 1993: भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने यूक्रेन का दौरा किया

अक्टूबर 2002: यूक्रेन के राष्ट्रपति लियोनिद कुचमा ने भारत का दौरा किया

जून 2005: भारतीय राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने यूक्रेन का राजकीय दौरा किया

दिसंबर 2012: यूक्रेन के राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच ने भारत का दौरा किया। यूक्रेन और भारत के बीच व्यापक साझेदारी की स्थापना पर संयुक्त वक्तव्य को अपनाया गया।

नवंबर 2021: पीएम मोदी ने ग्लासगो में COP26 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की।

2022 के आक्रमण के बाद

अप्रैल 2023: यूक्रेन की पहली उप विदेश मंत्री एमिन द्जापारोवा भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आईं।

मई 2023: पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हिरोशिमा में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की।

जुलाई 2023: भारत–यूक्रेन विदेश कार्यालय परामर्श (FOC) के 9वें दौर में भाग लेने के लिए विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा यूक्रेन गए।

फरवरी 2024: यूक्रेन की उप विदेश मंत्री इरीना बोरोवेट्स ने भारत की कार्य यात्रा की और रायसीना वार्ता में कीव का प्रतिनिधित्व किया।

मार्च 2024: यूक्रेन के उप मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने भारत का दौरा किया और व्यापार एवं निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा रक्षा में संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

जून 2024: प्रधानमंत्री मोदी ने इटली में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात की, जहाँ उन्होंने संघर्ष का समाधान करने के लिए बातचीत और कूटनीति की वकालत की।

अगस्त 2024: प्रधानमंत्री मोदी पोलैंड होते हुए यूक्रेन गए।